एनईपी ओरिएंटेशन एंड सेंसेटेजाईजेशन प्रोग्राम प्रारंभ

जगदलपुर। मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर, पं. रिवशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर और शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को आठ दिवसीय ऑनलाइन एनईपी ओरिएंटेशन एंड सेंसेटाईजेशन प्रोग्राम प्रारंभ हुआ। इसमें विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के 83 प्रतिभागियों ने रिजस्ट्रेशन कराकर भाग लिया। पहले दिन के उद्घाटन सत्र के रिसोर्स पर्सन प्रो. बीवी अप्पाराव थे। प्रोफेसर अप्पाराव ने लर्निंग आउटकम आधारित एजुकेशन पर जोर दिया एवं सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का आउटकम का मूल्यांकन किस तरह से किया जाए, किसी संस्थान का विजन एवं मिशन किस तरह से तैयारी किया जाय, प्रत्येक पाठयक्रम में कोर्स आउटकम, कोर्स लर्निंग आउटकम, प्रोग्राम आउटकम व प्रोग्राम स्पेसिफिक आउटकम अवश्य होना चाहिये जिस से ग्रजुट और एपटीट्यूड का मूल्यांकन हो सके तथा उस से टीचिंग लर्निंग में सुधार किया जा सके।

दूसरे सत्र में बडौदा विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. चारूल जैन ने कहा कि प्राचीन काल में नालंदा और तक्षशिला विश्वविद्यालय में जैसे मल्टीडिसिप्लीनरी शिक्षा पद्धित पर ध्यान दिया जाता था उसी तरह राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में मल्टीडिसिप्लीनरी सिस्टम पर जोर दिया गया है। बुक पढ़कर केवल सीमित ज्ञान पाने के अतिरिक्त करो और ज्ञान पाओ की ओर ध्यान दिया गया है। केवल ज्ञान पाना नहीं बल्कि उसकी उपयोगिता की बात की गई है। शिक्षा व्यवस्था में फ्लेक्सिबिलटी लाने का प्रयास किया गया है।

यह आयोजन पीआरएसयू के वाइस चांसलर प्रो. सिच्चदानंद शुक्ला, एसएमकेवी के वाइस चांसलर प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में आयाोजित किया जा रहा है। इस प्रोग्राम की डायरेक्टर पीआरएसयू की प्रो. प्रीति के सुरेश एवं प्रोग्राम को-डिर्नेटर डॉ. बृजेंद्र पांडेय हैं। बस्तर विवि के को-र्डिनेटर प्रो. शरद नेमा बताया कि 11 फरवरी तक प्रतिदिन तीन घंटे एनईपी 2020 के दस थीम पर देश के स्पेशलिस्ट रिसोर्स पर्सन मार्गदर्शन देंगे। जिससे एनईपी को बेहतर ढ़ंग से समझने और लागू करने में आसानी होगी। पहले दिन लर्निंग आउटकम बेस्ड एजुकेशन और स्किल डेपलपमेंट पर इंटरेक्टिव लेक्वर हुए।

